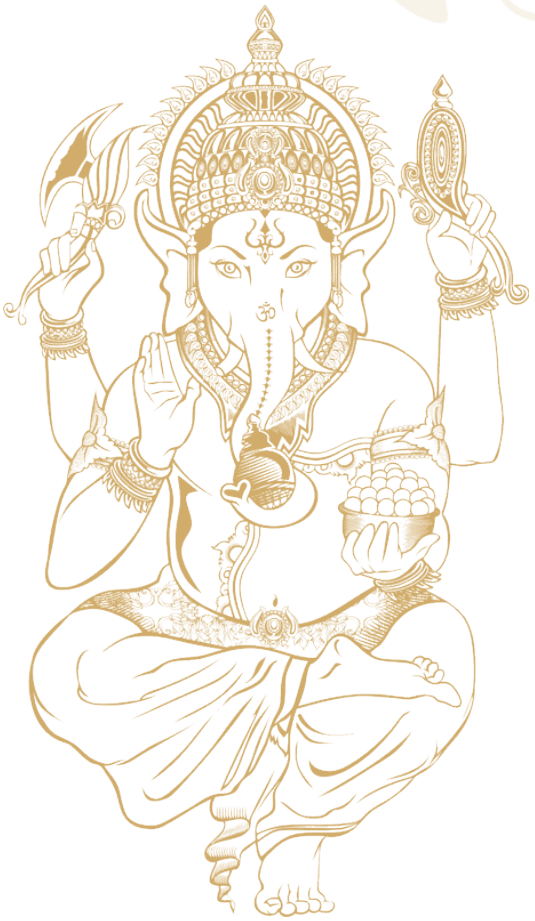

Vishal Geeta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121724703

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/01/2000	जन्म तिथि	25/05/2002
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 11:35:00	जन्म समय	09:00:00 घंटे
घटी 10:31:39	जन्म समय(घटी)	08:55:50 घटी
India	देश	India
Patiala	स्थान	Jagdishpur
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व	रेखांश	81:37:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24	स्थानिक संस्कार	-00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:22:20	सूर्योदय	05:12:47
17:42:01	सूर्यास्त	18:48:21
23:51:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:08

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 4वर्ष 7मा 3दि		17:22:37	मीन	लग्न	कर्क	01:48:44	गुरु 13वर्ष 9मा 26दि	
शनि		26:27:33	धनु	सूर्य	वृष	09:52:46	शनि	
15/08/2020		16:35:50	कुंभ	चंद्र	तुला	21:48:53	20/03/2016	
16/08/2039		11:40:24	कुंभ	मंगल	मिथु	03:54:37	21/03/2035	
शनि	19/08/2023	23:29:44	धनु	बुध व	वृष	13:08:46	शनि	24/03/2019
बुध	28/04/2026	01:57:16	मेष	गुरु	मिथु	21:20:06	बुध	01/12/2021
केतु	07/06/2027	19:33:05	वृश्चि	शुक्र	मिथु	11:36:11	केतु	10/01/2023
शुक्र	06/08/2030	16:26:08	मेष व	शनि	वृष	22:35:15	शुक्र	12/03/2026
सूर्य	19/07/2031	09:50:38	कर्क	राहु व	वृष	23:57:47	सूर्य	22/02/2027
चन्द्र	17/02/2033	09:50:38	मक	केतु व	वृश्चि	23:57:47	चन्द्र	22/09/2028
मंगल	28/03/2034	21:27:56	मक	हर्ष	कुंभ	04:55:04	मंगल	01/11/2029
राहु	01/02/2037	09:41:42	मक	नेप व	मक	17:03:32	राहु	07/09/2032
गुरु	16/08/2039	17:55:50	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	22:44:12	गुरु	21/03/2035

लग्न-चलित

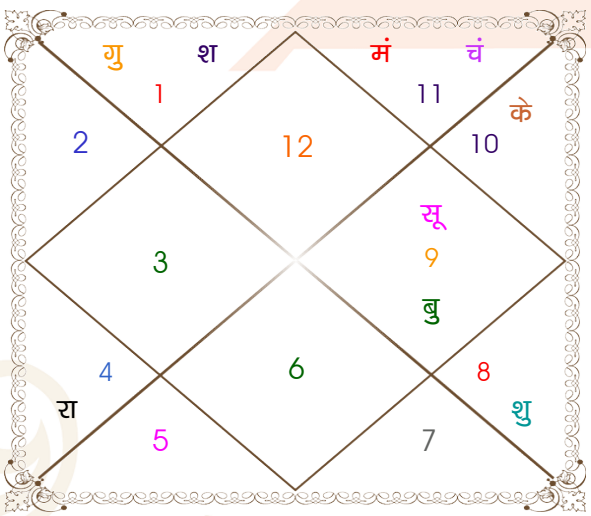

लग्न-चलित

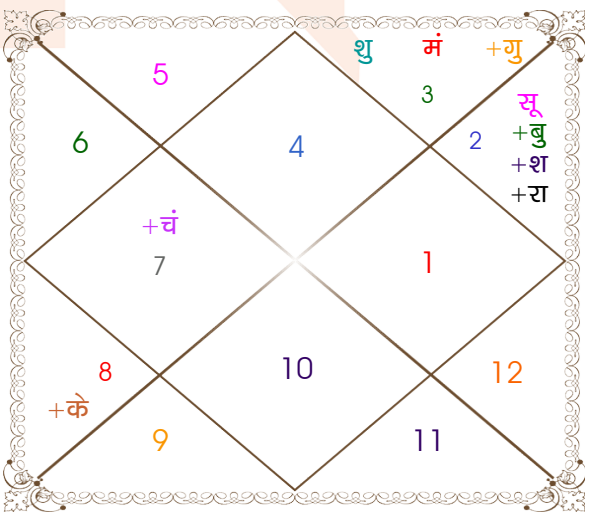

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Vishal का वर्ग मेष है तथा Geeta का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vishal और Geeta का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Vishal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Vishal कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Geeta मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Geeta कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Geeta कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Geeta कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Vishal तथा Geeta में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।